

प्रेषक,

एल0एम0 पन्त,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगरपालिका परिषद,
(संलग्न विवरणानुसार)
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक: 16 : नवम्बर, 2007

विषय : 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु नगरपालिका परिषदों को प्रथम किश्त हेतु धनराशि का संकमण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वाँ वित्त आयोग, भारत सरकार की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिए गये निर्णयानुसार समस्त नगर पालिका परिषदों, उत्तराखण्ड को चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु रु0 10017053/- (रुपये एक करोड़ सत्रह हजार तिरेपन मात्र) की धनराशि तदर्थ आधार पर संकमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उपर्युक्त धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संकमित की जा रही है:-

- (1) संकमित की जा रही धनराशि का 50 प्रतिशत अंश ठोस कचरा प्रबन्धन (Solid Waste Management) पर व्यय किया जायेगा तथा शेष अन्य विकास कार्यों पर, इसके द्वारा ठोस कचरे का उठान उसे अलग करने अलग करने तथा ढुलान पर होने वाला व्यय किया जा सकेगा। यह कार्यक्रम जनसामान्य की भागीदारी से किया जाना उचित होगा।
- (2) संकमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा। संकमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा, जिसके लिए संकमित की गई हैं। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा। इस धनराशि को वेतन/पेंशन आदि पर व्यय नहीं किया जायेगा।
- (3) प्रथम किश्त का उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त पर ही दूसरी किश्त अवमुक्त की जायेगी।
- (4) नगर विकास विभाग संकमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।
- (5) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।
- (6) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय अपने स्तर पर निकायों को आवंटित धनराशि का समय से सदुपयोग कराना सुनिश्चित करेंगे।
- (7) इस धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र भारत सरकार को भेजा जाना है। अतः उपयोगिता प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कराकर 31 मार्च, 2008 तक वित्त विभाग को कराये गये कार्यों के विवरण के साथ उपलब्ध कराया जायेगा, तभी अगले वर्ष हेतु धनराशि अवमुक्त की जायेगी।


16/11/2007

- (8) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक- 3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-192 -नगरपालिका /नगर निकाय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें-0102-12वें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान-20-सहायक अनुदान /अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(एल0 एम0 पन्त)

अपर सचिव, वित्त

संख्या 985 (1)/XXVII(1)/2007 एवं तददिनांक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमाऊं, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. समस्त जिला मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निदेशक, कोषागार, वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
9. एन0 आई0 सी0, सचिवालय, देहरादून।
10. विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो।
11. निदेशक, वित्त आयोग प्रभाग, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, ब्लॉक 11, पंचम तल, सी0जी0ओ0 काम्पलैक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली।

आज्ञा से,

(एल0 एम0 पन्त)

अपर सचिव, वित्त।


शासनादेश सं०- १४५ /XXVII (1)/2007-08

दिनांक: नवम्बर 16 , 2007

12वाँ वित्त आयोग द्वारा संस्तुत वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु नगर पालिकाओं को प्रथम छमाही हेतु अनुदान की धनराशि।

(धनराशि रू० में)			
क्र० सं०	जनपद का नाम	निकाय का नाम	प्रथम किश्त
1	2	3	4
नगर पालिका परिषद :-			
1-	अल्मोड़ा	अल्मोड़ा	540293
2-	चमोली	गोपेश्वर	709779
		जोशीमठ	547798
3-	चम्पावत	टनकपुर	271812
4-	देहरादून	ऋषिकेश	947548
5-	नैनीताल	भवाली	78030
		नैनीताल	1170195
6-	पौड़ी	रामनगर	445632
		दुगड़डा	57110
		पौड़ी	851133
		श्रीनगर	352793
7-	पिथौरागढ़	पिथौरागढ़	983641
8-	टिहरी	नरेन्द्रनगर	168949
		टिहरी	820661
9-	ऊधमसिंह नगर	बाजपुर	256570
		गदरपुर	242764
		किच्छा	399849
10-	उत्तकाशी	उत्तकाशी	722155
11-	रूद्रप्रयाग	रूद्रप्रयाग	450341
योग			10017053

(रू० एक करोड़ सत्रह हजार तिरेपन मात्र)


(एल०एम० पन्त) 16/11/2007
अपर सचिव।